

क्रूज़ शिप (Cruise Ship) 10th पास पर हेल्पर के कई तरह के काम होते हैं।

1. सफाई और स्वच्छता बनाए रखना – केबिन, डेक, बाथरूम और सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई करना।
2. सामान उठाना और पहुँचाना – यात्रियों या अन्य स्टाफ के सामान को ले जाना, लोडिंग और अनलोडिंग में मदद करना।
3. रसोई और भोजन क्षेत्र में सहायता – रसोई में बर्तन साफ़ करना, सामग्री लाना, और खाना परोसने में मदद करना।
4. यात्रियों की सहायता करना – अगर यात्रियों को किसी चीज़ की जरूरत हो जैसे बैग उठाना, रास्ता बताना या अन्य छोटी-मोटी मदद, तो हेल्पर उसकी देखभाल करता है।
5. आपातकालीन स्थिति में सहायता – किसी इमरजेंसी में यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में सहायता करना।

(1) सफाई और स्वच्छता बनाए रखना (Housekeeping / Cleaning Work):

- यात्री केबिन की सफाई करना – बेड ठीक करना, चादर बदलना, फर्श पोछना, धूल साफ़ करना, कचरा बाहर निकालना।
- बाथरूम की सफाई – टॉयलेट, सिंक, शायर को अच्छे से धोना और सैनिटाइज़ करना।
- सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई – जैसे लॉबी, गलियारे (corridors), रेस्टोरेंट एरिया, लिफ्ट, सीढ़ियाँ आदि की नियमित सफाई करना।
- टॉवेल और लिनेन बदलना – इस्तेमाल किए गए तौलिए, चादरें और तकिए के कवर को बदलना और साफ़ रखना।
- साफ-सफाई की रिपोर्ट देना – अगर कहीं कोई नुकसान या खराबी हो तो सुपरवाइजर को बताना।
- सफाई के सामान का सही उपयोग – जैसे वैक्यूम क्लीनर, मॉप, सैनिटाइज़र आदि का सही तरीके से इस्तेमाल करना।
- स्वच्छता के नियमों का पालन – हेल्थ और सेफ्टी गाइडलाइन का ध्यान रखना ताकि यात्री बीमार न पड़ें और वातावरण स्वच्छ बना रहे।

(2) सामान उठाना और पहुँचाना (Loading & Carrying Work):

- क्रूज़ शिप पर हेल्पर का यह काम फिजिकल मेहनत वाला होता है, जिसमें उसे अलग-अलग प्रकार का सामान उठाना और सही जगह पहुँचाना होता है। इसमें ये काम शामिल होते हैं:
- यात्रियों का सामान लाना-लेजाना – जब यात्री आते या जाते हैं, तब उनका बैग, सूटकेस आदि केबिन तक पहुँचाना।
- शिप पर सामान लोड / अनलोड करना – जब बंदरगाह (port) पर सामान आता है (जैसे खाने-पीने की चीजें, सफाई का सामान, किचन का सामान), तो उसे शिप पर चढ़ाना और स्टोररूम या ज़रूरी जगह पहुँचाना।
- किचन का सामान पहुँचाना – सब्जियाँ, अनाज, तेल, बर्तन वगैरह को स्टोर से किचन तक पहुँचाना।
- हाउसकीपिंग का सामान उठाना – जैसे चादरें, तौलिए, साफ-सफाई का सामान, केबिन तक ले जाना और पुराने सामान को वापस लाना।
- माल ट्रॉली (Trolley) या हाथ गाड़ी चलाना – भारी सामान को एक जगह से दूसरी जगह ट्रॉली या गाड़ी की मदद से ले जाना।
- सेफ मूवमेंट का ध्यान रखना – सामान उठाते समय सेफ्टी रूल्स का पालन करना ताकि खुद को या दूसरों को चोट न लगे।
- सुपरवाइजर के निर्देश अनुसार काम करना – कौन सा सामान कहाँ पहुँचना है, ये निर्देश सही से समझना और उसी के अनुसार काम करना।

(3) रसोई और भोजन क्षेत्र में सहायता (Kitchen & Dining Assistance):

क्रूज़ शिप पर हेल्पर का यह काम किचन (गैली) और डाइनिंग एरिया में होता है। इसमें कई तरह की जिम्मेदारियाँ होती हैं:

रसोई (Kitchen) में काम:

- बर्तन धोना – खाना बनाने और परोसने के बाद बर्तन, कढ़ाई, प्लेट्स, चम्मच आदि को साफ करना।
- सामग्री तैयार करना – सब्जी काटना, छीलना, मसाले तैयार करना, फ्रिज से चीजें लाकर देना।
- साफ-सफाई रखना – रसोई का फर्श, काउंटर और मशीनें (जैसे ओवन, मिक्सर) साफ करना।
- रसोइयों की मदद करना – जो भी काम कुक बताए, जैसे ट्रे पकड़ाना, कुछ सामग्री देना या खाना प्लेट में सजाना।
- कचरा निकालना – किचन का गीला और सूखा कचरा तय समय पर बाहर फेंकना।

भोजन क्षेत्र (Dining Area) में काम:

- टेबल लगाना और हटाना – प्लेट्स, ग्लास, नैपकिन वगैरह टेबल पर लगाना और खाने के बाद हटाना।
- खाना परोसना – वेटर की तरह खाना यात्रियों को सर्व करना या बुफे में ट्रे लगाना।
- पानी और ड्रिंक्स देना – पानी, जूस या दूसरी ड्रिंक्स परोसना।
- कस्टमर से विनम्रता से पेश आना – यात्रियों से अच्छे से बात करना और उनकी जरूरतें समझना।
- साफ-सफाई बनाए रखना – टेबल, चेयर, फर्श को साफ रखना ताकि जगह साफ-सुथरी लगे।

(4) यात्रियों की सहायता करना (Passenger Assistance):

क्रूज़ शिप पर हेल्पर का एक अहम काम यात्रियों की मदद करना होता है, जिससे उन्हें आरामदायक और अच्छा अनुभव मिले। इसमें ये जिम्मेदारियाँ आती हैं:

यात्रियों की सहायता से जुड़े काम:

1. सामान उठाना और केबिन तक पहुँचाना:

- चेक-इन या चेक-आउट के समय यात्रियों का लगेज केबिन में ले जाना या बाहर लाना।

2. **रास्ता बताना और गाइड करना:**

- अगर यात्री को रेस्टोरेंट, पूल, एंटरटेनमेंट एरिया या किसी भी जगह जाना है, तो उसे सही रास्ता बताना या साथ ले जाना।

3. **सीनियर सिटीज़न या दिव्यांग यात्रियों की मदद:**

- व्हीलचेयर देना, हाथ पकड़कर चलाना या उन्हें लिफ्ट तक ले जाना।

4. **डाइनिंग में सहायता:**

- बुजुर्ग या बच्चों को खाना परोसने में मदद करना, पानी देना या सीट पर बिठाना।

5. **सवालों का जवाब देना:**

- जैसे कि “डिनर कब मिलेगा?”, “शो कहां होगा?”, “वाइ-फाइ पासवर्ड क्या है?”, ऐसे सवालों का शांति और विनम्रता से जवाब देना।

6. **समस्याओं को सुलझाना:**

- अगर यात्री किसी चीज़ की शिकायत करता है (जैसे AC नहीं चल रहा या सफाई नहीं हुई), तो उसे ध्यान से सुनना और सुपरवाइजर को बताना।

7. **सुरक्षा नियम समझाना (अगर ज़रूरी हो):**

- इमरजेंसी अलार्म बजने पर यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनने में मदद करना और सेफ एरिया तक ले जाना।

(5) आपातकालीन स्थिति में सहायता (Emergency Assistance):

क्रूज़ शिप पर हेल्पर की ज़िम्मेदारी सिर्फ़ रोज़मर्रा के कामों तक सीमित नहीं होती—किसी भी आपातकाल (Emergency) जैसे आग लगना, पानी भरना, यात्री की तबीयत बिगड़ना या जहाज में तकनीकी खराबी के समय हेल्पर को तुरंत एक्टिव और मददगार बनना होता है।

आपात स्थिति में हेल्पर के काम:

1. **यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाना:**
 - यात्रियों को इमरजेंसी एग्जिट की ओर गाइड करना।
 - बुजुर्ग, बच्चे या घबराए हुए यात्रियों की विशेष सहायता करना।
2. **लाइफ जैकेट बाँटना और पहनने में मदद करना:**
 - यात्रियों को लाइफ जैकेट देना और पहनाने में मदद करना।
3. **सुरक्षा उपकरण लाना:**
 - फायर एक्सटिंग्विशर, टॉर्च, रेडियो या फर्स्ट एड बॉक्स लाना और स्टाफ को देना।
4. **फायर अलार्म एक्टिव करना (अगर ज़रूरी हो):**
 - अगर हेल्पर को आग या धुआँ दिखे, तो फौरन अलार्म बजाना।
5. **कम्युनिकेशन में मदद करना:**
 - यात्रियों को शांत रखना और क्रू मेंबर या कैप्टन से निर्देश पाकर आगे बढ़ाना।
6. **मेडिकल इमरजेंसी में मदद करना:**
 - बीमार या घायल यात्री को नर्सिंग स्टेशन तक ले जाना।
 - CPR या First Aid में सहायता (अगर ट्रेनिंग मिली हो)।
7. **एरिया को खाली कराना:**
 - जहाज के उस हिस्से को खाली कराना जहां खतरा है और “Restricted Access” लगाना।